

ग्रसामारण

EXTRAORDINARY

भाग II---श्रमः ३--उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राविकार संप्राक जित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4

चर्द दिल्ली, शनिवार, जनवरी, 2 1971/पौष 12, 1892

No. 4]

NEW D. H. II, SATURSDAY, JANUARY 2, 1971/PAUSA 12, 1893

इस भाग में भिन्न मुख्ड संख्या दो जाती है जिससे कि यह ग्रलग संशलन के रूप में रका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDERS

New Delhi, the 2nd January, 1971

S.O. 103.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 725, dated the 4th March, 1966, the management of the industrial undertaking known as the Hira Mills Limited, Ujjain had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order mentioned above for a period upto and inclusive of the 3rd March, 1971;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 3rd March, 1972.

Further, in exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in partial modification of the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 725, dated the 4th March, 1966, and in supersession of the Order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 1504, dated the 21st April, 1969, the Central Government hereby authorises with immediate effect the Madhya Pradesh State Textile Corporation Limited, to take over the management of the whole of the Hira Mills Limited, Ujjain, vice Shri J. N. Swaroop.

[No. F. 7(55)/70-TEX(G).]

विदेश व्यापार मंत्रालय

चावेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1971

का० भा० 103—यतः भारत सरकार के भृतपूत्र वाणिज्य मंत्रालय के भ्रादेश सं० का० भा० 725, दिनांक 4 मार्च, 1966 द्वारा हीरा मिल्स लि०, उज्जैन नामक भौद्योगिक उपकम का प्रंप्तय उपरिवर्णित श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधकृत नियन्त्रक द्वारा 3 मार्च, 1971 तक की भ्रविध के लिए जिसमें यह तारीख भी शामिल ह, ग्रहण कर लिया गया था।

भीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा उक्त श्रीधोनिक उपक्रम प्रबन्ध एक वर्ष की भ्रविध के लिए भीर बना रहना चाहिये।

श्रतः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन, श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की बारा 18क की की उन धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्ता शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीन सरकार एनद्वारा नेदेश देती है कि उपन्तिर्वणित श्रादेश का प्रभाव 3 मार्च, 1972 तक की श्रवधि के लिए, जिस में यह तारीख नो शामिल है, और बना रहेगा।

इति प्रते रेक्त, उद्योग (विकास तथा विनेयमन) प्रक्षितियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर भारत सरकार के भूतपूर्व वा णज्य मंत्राजय के आदेश सं० का० आ० 725, दिनांक 4 मार्च, 1966, में आंशिक संगोधन करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) के भ्रादेश सं० का० भ्रा० 1504, दिनांक 21 भ्रत्रैल, 1969 का श्रधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार मध्यप्रदेश राज्य वस्त्र नगम लि मेटेड को हीरा मिल्स लि.मेटेड, उज्जैन का संपूर्ण प्रवन्ध श्री जे० एन० स्वष्ट्य के स्थान पर अपने भ्राधिकार में लेने के लिए एतद्द्वारा सत्-काल प्रभाव से प्राधिकृत करती है।

[सं॰ फा॰ 7(55)/70-टैक्स (जी)]

S.O. 104.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in partial modification of the notified order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 493, dated the 11th February, 1966, and in supersession of the notified order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 838, dated the 2nd March, 1970, the Central Government hereby authorises with immediate effect the Madhya Pradesh State Textile Corporation Limited to take over the management of the whole of the New Bhopal Textiles Limited, Bhopal, vice Shri B. L. Gupta, until further orders.

[No. F. 7(111)/70-TEX(G).]

कार तार 10.1.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) ग्रिश्विनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रदत्त श केतयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व वा णिज्य मंत्रालय के ग्रिश्विचत भादेश संर कार भार 493, दिनांक 11 फरवरी, 1966 में ग्राणिक संशोधन करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व वा णिज्य मंत्रालय के अध्युचित भादेश संर प्राप्त 838, देनांक 2 मार्च, 1970 का अधिक्रमण करते हुए ेन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश राज्य वस्त्र नेगम लिनिटेड को न्यू भोगाल टैक्सडाइला लि मटेड, भोपाल का सम्पूर्ण प्रबन्ध श्री बीर एतर पुन के स्थान पर प्राप्त प्रक्षित में लेने के जिए एतर्द्रा । तत्काल प्रभाव से आरण्य ग्रादिश जारी होने तक के लए प्राधिकृत करती है।

[सं॰ फा॰ 7(111)/70-टैक्स (जी)]

S.O. 105.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in partial modification of the notified order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1196, deted the 13th April, 1966, and in supersession of the notified Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 2950, dated the 24th August, 1968, the Central Government hereby authorises with immediate effect the Madhya Pradesh State Textile Corporation Limited, to take over the management of the whole of the Swadeshi Cotton and Flour Mills Limited, Indore, vice Shri G. K. Seth.

[No. F. 7(112)/70-TEX(G).]

कार प्राप्त 10 5. - - उप्रोग (विकास तथा विवेदमन) प्रधि नेयमम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कारा प्रदेन गिक्तों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूत्र वार्णज्य मंत्रान्त्रय के प्रधिपूचित प्रादेश संग्र का विवास के प्रधिपूचित प्रादेश राज्य प्राप्त 24 अगस्त, 1968 का प्रधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश राज्य

बस्त्र निगम जिन्नेटेड की स्वदेशी काटन एंड क्लोर मिल्स जिन्नेटेड इंदौर का सम्पूर्णा प्रबन्ध श्री जी० केथे सेट स्थान प्पर प्रपने अधिकार में लेने के लिए एतद्वारा नत्काल प्रभाव से प्राधिकृत करती है।

S.O. 106.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 581, dated the 4th March, 1963, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 816, dated the 4th March, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 922, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 835, dated the 28th February, 1970, S.O. 2969, dated the 2nd September, 1970, and S.O. 3391, dated 3rd December, 1970, made under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the management of the industrial undertaking known as the Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Company Limited, Amalner (Maharashtra) had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above;

And whereas it appears to the Central Government that the purpose of the Order made under the said section 18A has been fulfilled;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under section 18F of the said Act, the Central Government hereby cancels the Order first mentioned above.

This Order shall come into force on and from the 4th January, 1971.

[No. F. 13(1)/TEX(G)/68.]

B. D. KUMAR, Jt. Secy.

का॰ झा॰ 106.—यतः उद्योग (विकास और विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के स्थीन जारी किये गये भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के झादेश सं० का॰ आ॰ 816 दिनांक 4 मार्च 1968, भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) के श्रादेश सं० का॰ आ॰ 922, दिनांक 3 मार्च 1969 तथा विदेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश सं० का॰ आ॰ 835 दिनांक 28 फरवरी, 1970 तथा का॰ आ॰ 2969, दिनांक 2 सितम्बर, 1970 तथा का॰ आ॰ 3891 दिनांक 3 दिसम्बर, 1970 के साथ पठित भार विस्तार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का॰ आ॰ 581 दिनांक 4 मार्च 1963 द्वारा प्रताय स्थिना वौंवग एण्ड मैन्युकश्वरिंग कम्पनी लिमिटेड, श्रमलनेर (महाराष्ट्र) नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध उपरिवर्णित संतिम स्रादेश में विनिर्दिष्ट प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा ले लिया गया था।

. भीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि उक्त धारा 18क के प्रधीन जारी किये गये धादेश का प्रयोजन पूरा हो गया है; श्रतः प्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 18क द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा उपरिवर्णित श्रन्तिम श्रादेश को रह करती है।

यत प्रादेश 4 जनवरी, 1971 को तथा जम तारीख में लागू होगा।

[सं० फा० 13(1) टैक्स (जी) /68]

बी० डी० कुमार, संयुक्त सचिव।